केंद्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी) हेतु आयोजित 4 दिवसीय मुखाभिमुख कार्यशाला
“नव हिंदी पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम”
प्रश्नोत्तर बैंक (विद्यार्थियों के अभ्यास हेतु)

पाठ 1 (दो बैलों की कथा-कहानी, लेखक – प्रेमचंद)

प्रश्न 1 पठित गद्यांश आधारित प्रश्न

"झूरी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाईं जाति के थे - देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। ...संयोग की बात, झूरी ने एक बार गोईं को ससुराल भेज दिया। बैलों को क्या मालूम, वे क्यों भेजे जा रहे हैं। समझे, मालिक ने हमें बेच दिया। ...अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती, तो झूरी से पूछते—तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो? हमने तो तुम्हारी सेवा करने में कोई कसर नहीं उठा रखी।"

1. "जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है"-इस कथन के माध्यम से लेखक किस मानवीय कमी की ओर संकेत कर रहा है?

(i) मनुष्य की भाषा की जटिलता पर।
(ii) दूसरों की अनकही भावनाओं और संवेदनाओं को समझने की असमर्थता पर।
(iii) मनुष्य की शारीरिक शक्ति की कमी पर।
(iv) मनुष्यों के बीच आपसी संवाद के अभाव पर।
उत्तर - (ii) दूसरों की अनकही भावनाओं और संवेदनाओं को समझने की असमर्थता पर।

2. बैलों ने अपने 'बेचे जाने' की धारणा किस आधार पर बनाई होगी?

(i) झूरी के व्यवहार में आए अचानक बदलाव के कारण।
(ii) गया (झूरी के साले) के प्रति उनके मन में पहले से मौजूद घृणा के कारण।
(iii) अपरिचित व्यक्ति के साथ अनजाने स्थान की ओर ले जाए जाने के कारण।
(iv) झूरी द्वारा उन्हें चारा न दिए जाने के कारण।
उत्तर: (iii) अपरिचित व्यक्ति के साथ अनजाने स्थान की ओर ले जाए जाने के कारण।

3. गद्यांश में प्रयुक्त "मूक-भाषा" और "विचार-विनिमय" शब्द हीरा-मोती के किस गुण को प्रभावी ढंग से चित्रित करते हैं?

(i) उनकी गहरी आत्मीयता और मानसिक तालमेल को।

(ii) उनके आलसी स्वभाव और बोलने की अनिच्छा को।

(iii) केवल उनके शारीरिक आकर्षण को।

(iv) मनुष्य के प्रति उनके विद्रोह को।

उत्तर (i) उनकी गहरी आत्मीयता और मानसिक तालमेल को।

4. हीरा और मोती के बीच घनिष्ठता या 'भाईचारे' को दर्शाने वाली किन्हीं दो क्रियाओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: गद्यांश के आधार पर हीरा और मोती के बीच भाईचारे को दर्शाने वाली दो क्रियाएँ निम्नलिखित हैं:

दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठकर एक-दूसरे से मूक-भाषा (बिना बोले) में विचार-विनिमय करते थे।

वे एक-दूसरे के मन की बात बिना कहे ही आसानी से समझ जाते थे।

5. "तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो?"—बैलों की इस कल्पित शिकायत में उनके प्रति झूरी के पुराने व्यवहार और उनकी वर्तमान व्यथा का क्या संबंध दिखता है?

उत्तर: इस कल्पित शिकायत से पता चलता है कि झूरी ने हमेशा बैलों को बहुत प्रेम और स्नेह से रखा था और बैलों ने भी उसकी सेवा में अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया था। वर्तमान व्यथा यह है कि जिस मालिक के लिए उन्होंने इतनी वफादारी और जी-तोड़ मेहनत की, वही आज उन्हें किसी अनजान व्यक्ति के साथ भेज रहा है (जिसे वे बिकना समझ रहे हैं)। यह उनके आहत स्वाभिमान और मालिक से बिछड़ने के दुख को दर्शाता है।

<u>भाग 2: पाठ पर आधारित लघूत्तरीय प्रश्न</u>

1. लेखक ने गधे को 'ऋषियों-मुनियों' की श्रेणी में क्यों रखा है? क्या वह वास्तव में उसकी बुद्धिमत्ता की प्रशंसा कर रहा है या समाज पर व्यंग्य? स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)

उत्तर: लेखक ने गधे को ‘ऋषियों-मुनियों’ की श्रेणी में इसलिए रखा है क्योंकि ऋषियों की तरह गधे में भी असीम सहनशीलता, क्रोध का अभाव और सुख-दुख या लाभ-हानि में समान रहने का गुण होता है।

लेखक यहाँ गधे की बुद्धिमत्ता की प्रशंसा नहीं कर रहा है, बल्कि समाज पर गहरा व्यंग्य कर रहा है। समाज में जो व्यक्ति अत्यधिक सीधा, सरल और सहनशील होता है, उसे सम्मान देने के बजाय ‘मूर्ख’ (गधा) मान लिया जाता है।

2. काँजीहौस में हीरा और मोती ने खुद भागने के बजाय अन्य जानवरों को भगाने में मदद क्यों की? यह उनके चरित्र की किस विशेषता को उजागर करता है? (2 अंक)

उत्तर: काँजीहौस की दीवार टूटने के बाद अन्य जानवर भाग गए, लेकिन हीरा मोटे रस्से से बँधा था। मोती ने अपने मित्र को संकट में छोड़कर भागना उचित नहीं समझा। इसलिए, खुद भागने के बजाय उन्होंने बाड़े की दीवार गिराकर बाकी निर्बल जानवरों (भेड़, बकरियाँ, घोड़े आदि) को भगाकर उनकी जान बचाई।
यह उनके चरित्र की निस्वार्थ भावना, परोपकार, गहरी मित्रता (सच्ची वफादारी) और अन्याय के विरुद्ध सामूहिक संघर्ष करने की विशेषता को उजागर करता है।

3. 'दो बैलों की कथा' अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की किन परिस्थितियों और मूल्यों को प्रतिबिंबित करती है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए। (2 अंक)
उत्तर: यह कथा अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को प्रतिबिंबित करती है। हीरा और मोती शोषित व पराधीन भारतीयों के प्रतीक हैं।
मूल्य और परिस्थितियाँ: जिस प्रकार भारतीयों ने एकजुट होकर अंग्रेजों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया, उसी प्रकार दोनों बैल अपनी आज़ादी के लिए गया के घर, काँजीहौस और दढ़ियल कसाई से बार-बार संघर्ष करते हैं।
उदाहरण: उनका यह मानना कि "आज़ादी सहज नहीं मिलती, उसके लिए लड़ना पड़ता है," स्वतंत्रता सेनानियों के उसी जज्बे को दिखाता है जिसमें वे हर यातना सहकर भी विद्रोह करते रहे और अंततः अपने घर (स्वदेश) पहुँचकर ही दम लिया।

पाठ 2 (क्या लिखूँ-निबंध, लेखक – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी)

प्रश्न 1 गद्यांश के वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं उच्च-स्तरीय प्रश्न

अंग्रेजी के निबंधकारों ने एक दूसरी ही पद्धति को अपनाया है। उनके निबंध इन आचार्यों की कसौटी पर भले ही खरे सिद्ध न हों, पर अंग्रेजी साहित्य में उनका मान अवश्य है। उस पद्धति के जन्मदाता मानटेन समझे जाते हैं। उन्होंने स्वयं जो कुछ देखा, सुना और अनुभव किया, उसी को अपने निबंधों में लिपिबद्ध कर दिया। ऐसे निबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे मन की स्वच्छंद रचनाएँ हैं। उनमें न कवि की उदात्त कल्पना रहती है, न आख्यायिका-लेखक की सूक्ष्म दृष्टि और न विज्ञों की गंभीर तर्कपूर्ण विवेचना। उनमें लेखक की सच्ची अनुभूति रहती है। उनमें उसके सच्चे भावों की सच्ची अभिव्यक्ति होती है, उनमें उसका उल्लास रहता है। ये निबंध तो उस मानसिक स्थिति में लिखे जाते हैं, जिसमें न ज्ञान की गरिमा रहती है और न कल्पना की महिमा, जिसमें जीवन का गौरव भूलकर हम अपने में ही लीन हो जाते है, जिसमें हम संसार को अपनी ही दृष्टि से देखते हैं और अपने ही भाव से ग्रहण करते हैं। तब इसी पद्धति का अनुसरण कर मैं भी क्यों न निबंध लिखूँ। पर मुझे तो दो निबंध लिखने होंगे।

मुझे अमीर खुसरो की एक कहानी याद आई। एक बार प्यास लगने पर वे एक कुएँ के पास पहुँचे। वहाँ चार औरतें पानी भर रही थीं। पानी माँगने पर पहले उनमें से एक ने खीर पर कविता सुनने की इच्छा प्रकट की, दूसरी ने चरखे पर, तीसरी ने कुत्ते पर और चौथी ने ढोल पर। अमीर खुसरो प्रतिभावान थे, उन्होंने एक ही पद्य में चारों की इच्छाओं की पूर्ति कर दी। उन्होंने कहा- "खीर पकाई जतन से, चरखा दिया चला। आया कुत्ता खा गया, तू बैठी ढोल बजा।।" मुझमें खुसरो की प्रतिभा नहीं है, पर उनकी इस पद्धति को स्वीकार करने से मेरी कठिनाई आधी रह जाती है। मैं भी एक निबंध में इन दोनों विषयों का समावेश कर दूँगा।

उच्च-स्तरीय बहुविकल्पीय प्रश्न

1. लेखक के अनुसार अंग्रेज़ी निबंधों की विशिष्टता किस आधार पर स्थापित होती है?

(अ) ऐतिहासिक घटनाएँ

(ब) व्यक्तिगत अनुभूतियों एवं भावों की सहज अभिव्यक्ति

(स) तर्क एवं प्रमाण

(द) केवल कल्पना

उत्तर: (ब)

2.कथन–कारण

कथन: लेखक ने अमीर खुसरो की पद्धति अपनाकर एक ही निबंध में दो विषयों को समाहित करने का निश्चय किया।

कारण: लेखक मानता है कि प्रतिभा के अभाव में भी उपयुक्त पद्धति अपनाकर कठिनाई कम की जा सकती है।

(अ) दोनों सत्य तथा कारण सही व्याख्या करता है (ब) दोनों सत्य पर सही व्याख्या नहीं (स) कथन सत्य कारण असत्य

(द) कथन असत्य कारण सत्य

उत्तर: (अ)

3. अमीर खुसरो के प्रसंग का उल्लेख मुख्यतः किस उद्देश्य से किया गया है?

(अ) काव्य-प्रतिभा का गुणगान (ब) घटना का वर्णन (स) अपनी लेखन-पद्धति को उचित सिद्ध करना (द) लोककथा का महत्व

उत्तर: (स)

4. लेखक ने अंग्रेज़ी निबंधों की तुलना पारंपरिक निबंधों से किस प्रकार की है?

उत्तर: पारंपरिक निबंधों में तर्क, कल्पना और विद्वत्ता को महत्व दिया जाता है, जबकि अंग्रेज़ी निबंधों में लेखक की व्यक्तिगत अनुभूति और आत्माभिव्यक्ति को प्रमुख स्थान दिया गया है।

5. अमीर खुसरो के प्रसंग से लेखक को क्या प्रेरणा मिली?

उत्तर: लेखक को यह प्रेरणा मिली कि सूझ-बूझ और उचित पद्धति से एक ही रचना में अनेक विषयों का सफल समावेश किया जा सकता है।

सृजनात्मक प्रश्न

प्रश्न: 1- यदि आपको "दूर के ढोल सुहावने होते हैं" विषय पर निबंध लिखना हो, तो आप उसकी शुरुआत किस प्रेरक घटना या उदाहरण से करेंगे?

उत्तर: मैं निबंध की शुरुआत एक ऐसे विद्यार्थी की कहानी से करूँगा जो विदेश में पढ़ने का सपना देखता था। वहाँ पहुँचने के बाद उसे परिवार से दूर रहने, नई भाषा और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। तब उसे समझ आया कि दूर से हर चीज़ आकर्षक लगती है, पर वास्तविकता अलग होती है। इस उदाहरण से कहावत का अर्थ प्रभावशाली ढंग से स्पष्ट होगा।

प्रश्न: 2 .आपके अनुसार एक प्रभावशाली निबंध में लेखक के अपने अनुभव और मौलिक विचारों का क्या महत्व है?

उत्तर: लेखक के अनुभव निबंध को वास्तविक और विश्वसनीय बनाते हैं। मौलिक विचार पाठक को नया दृष्टिकोण देते हैं, जिससे निबंध केवल जानकारी का संग्रह न रहकर प्रेरक और रोचक बन जाता है। ऐसे निबंध पाठकों के मन पर गहरी छाप छोड़ते हैं।

प्रश्न:3- यदि आपको किसी प्रसिद्ध लेखक से प्रेरणा लेनी हो, तो आप किन बातों को अपनाना चाहेंगे? साथ ही बताइए कि एक अच्छे लेखक को प्रेरणा कहाँ से मिलनी चाहिए।

उत्तर: मैं प्रसिद्ध लेखकों से उनकी सरल भाषा, गहरी सोच और प्रभावशाली अभिव्यक्ति सीखना चाहूँगा। मेरा मानना है कि एक अच्छे लेखक को प्रेरणा केवल पुस्तकों से ही नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज, लोगों के अनुभवों, यात्राओं और अपने जीवन की घटनाओं से भी मिलनी चाहिए।

पाठ 3 (संवादहीन -कहानी, लेखक – शेखर जोशी)

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए-

ताई को घड़ी-भर के लिए भी मिट्ठू का वियोग सहन नहीं हो सकता था। कभी-कभार गाँव में थोड़ी देर के लिए भी न्योते-बुलावे में जातीं, तो दस बार खिड़की-दरवाजों की साँकलें टोहकर देखतीं, कंजूस के धन की तरह मिट्ठू को छिपाकर रखतीं और जल्दी लौट आने का दिलासा देकर देहरी से पाँव बाहर निकालतीं। किंतु एक बार ऐसा संयोग आया कि ताई धर्म-संकट में पड़ गईं। गाँव के कई लोग कुंभ-स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे। ताई भी कुंभ-स्नान का पुण्य प्राप्त करना चाहती थीं, पर दूसरी ओर मिट्ठू की चिंता उन्हें परेशान कर रही थी। अंततः जगन मास्टर की घरवाली ने ताई के लौटने तक मिट्ठू को अपने पास रखने की सहमति दे दी। विदा के समय ताई बार-बार मिट्ठू को पुचकारतीं और शीघ्र लौट आने का आश्वासन देतीं। मिट्ठू भी अपनी बोली में उन्हें मानो भरोसा दिला रहा था कि वह सुरक्षित रहेगा।

1. 'कंजूस के धन की तरह मिट्ठू को छिपाकर रखतीं' से ताई के स्वभाव की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

(क) संकीर्णता

(ख) स्वार्थपरता

(ग) अत्यधिक ममता और संरक्षण-भाव

(घ) असुरक्षा की भावना

उत्तर: (ग) अत्यधिक ममता और संरक्षण-भाव

2. कथन (A): ताई कुंभ-स्नान के लिए निश्चिंत होकर नहीं जा पा रही थीं।

कारण (R): उन्हें विश्वास नहीं था कि कोई भी व्यक्ति मिट्ठू की देखभाल उनकी तरह कर सकता है।

(क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) A सत्य है, R असत्य है।

(घ) A असत्य है, R सत्य है।

उत्तर: (क)

3. ताई के बार-बार मिट्ठू को पुचकारने से स्पष्ट होता है कि—

(1) वे उससे स्नेह करती थीं।

(2) वे उससे बिछड़ने से दुखी थीं।

(3) वे शीघ्र लौट आने का आश्वासन दे रही थीं।

(4) वे मिट्ठू से नाराज़ थीं।

विकल्प:

(i) 1 और 2 सही हैं।

(ii) 1, 2 और 3 सही हैं।

(iii) 2, 3 और 4 सही हैं।

(iv) केवल 4 सही है।

उत्तर: (ii) 1, 2 और 3 सही हैं।

4. यदि जगन मास्टर की घरवाली मिट्ठू को रखने के लिए तैयार न होती, तो ताई के सामने कौन-सी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती थीं?

उत्तर: ताई संभवतः कुंभ-स्नान पर जाने का विचार त्याग देतीं या पूरी यात्रा के दौरान चिंतित रहतीं। इससे उनके धार्मिक कर्तव्य और भावनात्मक लगाव के बीच संघर्ष और बढ़ जाता।

5. गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि ताई का जीवन किस प्रकार मिट्ठू के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गया था।

उत्तर: ताई का अधिकांश समय मिट्ठू के साथ बीतता था। वे उसे अकेला छोड़ने से बचती थीं, उसकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखती थीं तथा उससे बिछड़ने की कल्पना मात्र से व्याकुल हो जाती थीं। इससे स्पष्ट है कि मिट्ठू उनके जीवन का केंद्र बन गया था।

<u>चिंतन आधारित प्रश्न एवं उत्तर</u>

प्रश्न 1: जगन मास्टर का तोते को आजाद करना और ताई का उसे पिंजरे में रखना; इन दोनों में से आपके विचार से मिट्ठू के प्रति किसका दृष्टिकोण अधिक सही और न्यायसंगत था?

उत्तर:- सैद्धांतिक और प्राकृतिक रूप से जगन मास्टर का दृष्टिकोण अधिक सही और न्यायसंगत था। स्वतंत्रता हर जीव का स्वाभाविक अधिकार है और पिंजरे में रखना एक यातना है। हालांकि, ताई के चरम अकेलेपन और ममता के लिहाज से उनका लगाव भी गलत नहीं था, क्योंकि मिट्ठू उनके जीने का एकमात्र सहारा था।

प्रश्न 2: ताई के बहू-बेटों का गाँव छोड़कर शहरों में बस जाना किस सामाजिक विसंगति को दर्शाता है? क्या आधुनिक जीवन बुजुर्गों को अकेलेपन की ओर धकेल रहा है?

उत्तर:- यह गाँव से शहरों की ओर होने वाले 'पलायन' और 'संयुक्त परिवारों के टूटने' की विसंगति को दर्शाता है। हाँ, आधुनिक जीवन बुजुर्गों को अकेलेपन की ओर धकेल रहा है। शहरों की चकाचौंध में लोग अपनी जड़ों को भूल रहे हैं, जिससे बुजुर्ग ताई की तरह बड़े घरों में अकेले रहने को मजबूर हैं।

प्रश्न 3: ताई को सदमे से बचाने के लिए असली मिट्ठू की जगह दूसरा नकली तोता रखना कहाँ तक उचित था? क्या किसी की भावनाओं की रक्षा के लिए ऐसा भ्रम बनाए रखना सही है?

उत्तर:- ताई की मानसिक स्थिति और उनके लगाव को देखते हुए जगन मास्टर का यह कदम तात्कालिक रूप से उचित था। किसी को गहरे सदमे से बचाने के लिए ऐसा भ्रम कुछ समय के लिए सही हो सकता है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। अंत में जब 'एवजी' तोता सच में मिट्ठू की तरह बात नहीं कर पाया, तो ताई का सूनापन और बढ़ गया। यदि

पाठ 4 (ऐसी भी बातें होती हैं –साक्षात्कार, लेखक – यतीन्द्र मिश्र)

प्रश्न 1 गद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर

हम होली खेलते थे। यह बहुत पहले की बात है, जब मेरे पिताजी जीवित थे। आजकल तो मैंने होली खेलना ही बंद कर दिया है। पहले सारा दिन रंग खेलना और भीगना और बाद में जाकर देर शाम तक नहाना, अब हम यह सब सालों से अच्चा नहीं लगता है पहले दिन एक के होली कि है यह मतलब मेरा थे। मनाते नहीं देश पूरे होली जो यह है। लगता नहीं होलि समय उस और हैं जलाते होली जबका की पूजा होती है की तरह तमाम उन ,है जाता चढ़ाया प्रसाद जो उसमें , आग बाद के जाने जल जिसे ,है जाता जलाया में आखिरी में होलिका भी नारियल हैं। डालते में होलिका को मिठाइयों दूसरे-एक दिन दूसरे उठाकर उसे ,है बनती राख जो वह हैं। लेते प्रसाद तोड़कर उसे निकालकर से पर डालते हैं। इसे हम लोग -भाई सब हम जीपिता और माँ मेरी दिन उस ,है आती पंचमी-रंग दिन पाँचवें बाद के होली हैं। कहते 'गुड़वड़' में प्रसाद हमें चढ़ाकर को भगवान जो ,थीं बनाती मीठा कुछ में घर माँ थे। छिड़कते थोड़ा घोलकर केसर पर बहनों की सभी हम था। मिलता को खानेअलग में बचपन में घर हमारे तरह इस और थीं उतारती माँ भी आरतियाँ अलग-था। नहीं में घर हमारे प्रभाव कोई इसका ,है लितप्रच आजकल जो होली यह था। मनता त्योहार का होली

1. गद्यांश के आधार पर निम्न में से कौन-सा कथन लेखक के परिवार की होली-परंपरा को सबसे सही रूप में दर्शाता है?

(क) परिवार केवल रंगों से होली खेलता था।

(ख) परिवार में धार्मिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अधिक महत्व दिया जाता था।

(ग) परिवार होली का त्योहार नहीं मनाता था।

(घ) परिवार केवल मित्रों के साथ होली मनाता था।

सही उत्तर(ख) :

2. यदि किसी परिवार में होलिका-दहन के बाद उसकी राख को शुभ मानकर एक-दूसरे को लगाई जाती है, तो गद्यांश के अनुसार यह किस परंपरा से मेल खाती है?

(क) रंग-पंचमी मनाने की परंपरा

(ख) 'गुड़वड़' की परंपरा

(ग) दीपावली की परंपरा

(घ) गणेश-पूजन की परंपरा

सही उत्तर(ख) :

3. गद्यांश से यह निष्कर्ष निकलता है कि समय के साथ लेखिका के विचारों में क्या परिवर्तन आया?

(क) अब उन्हें होली पहले से अधिक पसंद है।

(ख) अब वे केवल रंग-पंचमी मनाती हैं।

(ग) अब उन्होंने रंगों वाली होली खेलना लगभग छोड़ दिया है।

(घ) अब वे केवल होलिका-दहन में भाग लेती हैं।

सही उत्तर(ग) :

4 गद्यांश के अनुसार होलिका-दहन के समय कौन-कौन-सी धार्मिक परंपराएँ निभाई जाती थीं?

उत्तर - ता मंगेशकर के घर पर होलिका दहन के समय 'गुड़वड़' नामक परंपरा निभाई जाती थी। इसके तहत होलिका दहन के बाद परिवार के लोग एक-दूसरे के शरीर पर उसकी राख (भभूत) लगाते थे । इसके बाद अगले दिन रंग-पंचमी मनाई जाती थी, जिसमें माता-पिता बच्चों पर केसर का पानी छिड़कते थे।

5. लेखिका के घर में रंग-पंचमी किस प्रकार मनाई जाती थी? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर - लता मंगेशकर जी के घर में त्योहारों को बहुत ही पारंपरिक तरीके से मनाया जाता था। रंग-पंचमी के दिन उनके घर में केसर का पानी छिड़कने की विशेष परंपरा थी, जिसके माध्यम से सभी सदस्य एक-दूसरे के प्रति स्नेह और उल्लास व्यक्त करते थे।

<u>रचनात्मक प्रश्नोत्तर</u>

प्रश्न .1 पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लता मंगेशकर ने अपनी गायकी को केवल एक पेशा न मानकर साधना माना? उनके इस दृष्टिकोण से आज की युवा पीढ़ी क्या सीख सकती है?

उत्तर - लता जी ने संगीत को धन कमाने का जरिया नहीं, बल्कि ईश्वर की आराधना माना। वे हर गीत के लिए कड़ा रियाज़ करती थीं। इससे युवा पीढ़ी को यह सीख मिलती है कि सफलता का मार्ग सुगम नहीं, बल्कि उसके लिए निरंतर कड़ा परिश्रम और समर्पण जरूरी है।

प्रश्न 2. विश्व प्रसिद्ध होने और संगीत जगत का शिखर छूने के बाद भी लता जी के स्वभाव में जो सादगी और विनम्रता दिखाई देती है, वह साक्षात्कार की किन बातों से उजागर होती है?

उत्तर - अपार सफलता के बाद भी लता जी अपनी उपलब्धियों का श्रेय स्वयं को न देकर ईश्वर, माता-पिता और गुरुओं को देती हैं। वे स्वयं को जीवनभर संगीत का एक साधक ही मानती रहीं, जो उनकी अद्भुत विनम्रता और महानता को दर्शाता है।

प्रश्न 3. लता जी के अनुसार पुराने दौर के संगीतकारों और आज (नए दौर) के संगीतकारों के काम करने की परिस्थितियों में क्या अंतर है?

उत्तर: लता जी के अनुसार, पुराने दौर के संगीतकारों के पास आज जैसी आधुनिक तकनीक और सुविधाएँ नहीं थीं। उन्हें सीमित साधनों और बुनियादी रिकॉर्डिंग रूम में काम करना पड़ता था, जबकि आज के संगीतकारों के पास बेहतरीन तकनीकी साधन, ट्रैक रिकॉर्डिंग और संपादन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

पाठ 5 (आखिरी चट्टान तक , लेखक – मोहन राकेश)

प्रश्न 1 गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए:

पच्छिमी क्षितिज में सूर्य धीरे-धीरे नीचे जा रहा था।मैं सूर्यास्त की दिशा में चलने लगा। दूर पच्छिमी तट-रेखा के एक मोड़ पर पीली रेत का एक ऊँचा टीला नजर आ रहा था। सोचा उस टीले पर जाकर सूर्यास्त देखूँगा।
यात्रियों की कितनी ही टोलियाँ उस दिशा में जा रही थीं। हम लोग टीले पर पहुँच गए। यह वह 'सैंड हिल' थी जिसकी चर्चा मैं वहाँ पहुँचने के बाद से ही सुन रहा था। सैंड हिल पर पहुँचकर लगा कि शायद अब एक ही टीला और है, उस पर पहुँचकर पच्छिमी क्षितिज का खुला विस्तार अवश्य नजर आएगा और सचमुच एक टीले पर पहुँचकर वह खुला विस्तार सामने फैला दिखाई दे गया - वहाँ से दूर तक एक रेत की लंबी ढलान थी, जैसे वह टीले से समुद्र में उतरने का रास्ता हो। सूर्य तब पानी से थोड़ा ही ऊपर था। अपने प्रयत्न की सार्थकता से संतुष्ट होकर मैं टीले पर बैठ गया - ऐसे जैसे वह टीला संसार की सबसे ऊँची चोटी हो, और मैंने, सिर्फ मैंने, उस चोटी को पहली बार सर किया हो।

(i) लेखक ने सूर्यास्त का मनोहारी दृश्य कहाँ से देखा?
(क) विवेकानंद चट्टान से। (ख) अरब सागर की ओर के ऊँचे टीले से।
(ग) पच्छिमी क्षितिज से। (घ) सैंड हिल से।
उत्तरः (घ) लेखक 'सैंड हिल' के एक ऊँचे टीले पर पहुँचकर वहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखता है।

(ii) 'मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं मैं ही हूँ' - यह कथन लेखक की किस मनःस्थिति को दर्शाता है?
(क) मौन हो जाना। (ख) विस्मित हो जाना।
(ग) भ्रमित हो जाना। (घ) आशंकित होना।
उत्तरः (ख) ,समुद्र और सूर्यास्त के विराट दृश्य को देखकर लेखक इतना विस्मित हो जाता है कि कुछ क्षण के लिए अपने अस्तित्व को भूल जाता है।

iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :
कथन : लेखक सैंड हिल पर कुछ देर रुककर आगे दूसरे टीले की ओर बढ़ने लगा।
कारण : वह सूर्यास्त का पूरा विस्तार देखना चाहता था जो अरब सागर की ओर के ऊँचे टीले से ओट में था।
(क) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।
(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(घ) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
उत्तरः (घ) पाठ में स्पष्ट है कि अरब सागर की ओर का एक ऊँचा टीला विस्तार को ओट में लिए था, इसलिए लेखक आगे बढ़ा।

(iv) इस गद्यांश में लेखक ने सूर्यास्त के वर्णन में किन भावों को व्यक्त किया है?

उत्तरः लेखक ने निम्न भावों को व्यक्त किया -

i) लेखक रंगों में खो जाता है

(ii) पर रंग क्षण-क्षण बदलते हैं

(iii), और अचानक लौटने की चिंता भी आती है

(iv। समुद्र से घृणा का कोई भाव नहीं है।

(v) 'उस रंग को किसी भी एक क्षण के लिए एक नाम दे सकना असंभव था' - इस कथन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: लेखक सूर्यास्त के रंगों की क्षणभंगुरता और तीव्र बदलाव को व्यक्त कर रहा है।

सृजनात्मक प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1: 'आखिरी चट्टान तक' पाठ के आधार पर बताइए कि समुद्र तट पर अचानक पानी बढ़ने जैसी आपातकालीन स्थिति में अपनी सुरक्षा के लिए आप कौन-से दो त्वरित कदम उठाएँगे?

उत्तर : घबराने के बजाय शांत रहकर तुरंत किसी ऊँचे और सुरक्षित स्थान की ओर जाएँगे।
अपने समूह के साथ रहेंगे और मदद के लिए शिक्षकों या सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सूचित करेंगे।

प्रश्न 2: प्राकृतिक पर्यटन स्थलों (जैसे- कन्याकुमारी के समुद्र तट) को कचरा मुक्त रखने के लिए एक ज़िम्मेदार पर्यटक के रूप में आपके कोई दो मुख्य कर्तव्य क्या होने चाहिए?

उत्तर : हम कचरा (जैसे- खाली बोतलें, पैकेट आदि) यहाँ-वहाँ फेंकने के बजाय उसे अपने थैले में रखकर वापस लाएँगे और केवल निर्धारित कूड़ेदान में ही डालेंगे।
एक बार इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं का प्रयोग करने से बचेंगे और अपनी स्टील या ताँबे की पानी की बोतल साथ ले जाएँगे।

प्रश्न 3: लेखक सुंदर रेत को अपने साथ न ले जा पाने पर उदास होता है। इस घटना से हमें जीवन की कौन-सी व्यावहारिक सच्चाई स्वीकार करने की सीख मिलती है?

उत्तर : इस घटना से हमें यह सीख मिलती है कि यह संभव नहीं है कि जीवन में हमें अपनी पसंद की हर चीज़ हमेशा मिल जाए। हमें सुंदरता को अपनी मुट्ठी में कैद करने या उस पर अधिकार जमाने की ज़िद छोड़कर, उसका उसी क्षण में आनंद लेना सीखना चाहिए।

पाठ 6 (रीढ़ की हड्डी-एकांकी, लेखक – जगदीशचन्द्र माथुर)

प्रश्न 1 गद्यांश के वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं उच्च-स्तरीय प्रश्न

शंकर : जी हाँ, कोई नौकरी तो करानी नहीं।
रामस्वरूप : नौकरी का तो कोई सवाल ही नहीं उठता।
गोपालप्रसाद : और क्या साहब! देखिए, कुछ लोग मुझसे कहते हैं कि जब आपने अपने लड़कों को बी.ए., एम.ए. तक पढ़ाया है तब उनकी बहुएँ भी ग्रेजुएट लीजिए। भला पूछिए इन अक्ल के ठेकेदारों से कि क्या लड़कों की पढ़ाई और लड़कियों की पढ़ाई एक बात है। अरे, मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना। अगर औरतें भी वही करने लगीं, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगीं और 'पालिटिक्स' वगैरह पर बहस करने लगीं तब तो हो चुकी गृहस्थी। जनाब, मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं; शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।
रामस्वरूप : जी हाँ, और मर्द के दाढ़ी होती है, औरत के नहीं...! हैं... हैं... हैं...! (शंकर भी हँसता है, मगर गोपालप्रसाद गंभीर हो जाते हैं।)
गोपालप्रसाद: हाँ, हाँ। वह भी सही है। कहने का मतलब यह है कि कुछ बातें दुनिया में ऐसी हैं जो सिर्फ मर्दों के लिए हैं। और ऊँची तालीम भी ऐसी चीजों में से एक है।
रामस्वरूप : (शंकर से) चाय और लीजिए।
शंकर : धन्यवाद। पी चुका।
रामस्वरूप : (गोपालप्रसाद से) आप?
गोपालप्रसाद: बस साहब, अब तो खत्म ही कीजिए।
रामस्वरूप : आपने तो कुछ खाया ही नहीं। चाय के साथ 'टोस्ट' नहीं थे, क्या बताएँ, वह मक्खन...

प्रश्न 1. गोपालप्रसाद के अनुसार 'ऊँची तालीम' (उच्च शिक्षा) किनके लिए बनी है?
(क) केवल महिलाओं के लिए
(ख) केवल पुरुषों के लिए
(ग) पुरुष और महिला दोनों के लिए
(घ) किसी के लिए भी नहीं
उत्तर: (ख) केवल पुरुषों के लिए

प्रश्न 2. "मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं..." इस उदाहरण के माध्यम से गोपालप्रसाद क्या सिद्ध करना चाहते हैं?
(क) प्रकृति का सौंदर्य
(ख) पक्षियों की विशेषताएँ
(ग) स्त्री और पुरुष के काम व अधिकार में स्वाभाविक अंतर
(घ) रामस्वरूप का मनोरंजन करना
उत्तर: (ग) स्त्री और पुरुष के काम व अधिकार में स्वाभाविक अंतर

प्रश्न 3. बातचीत के दौरान गोपालप्रसाद के गंभीर होने का क्या कारण था?
(क) रामस्वरूप द्वारा दाढ़ी वाला मज़ाक करना
(ख) चाय का समाप्त हो जाना
(ग) शंकर का ज़ोर-ज़ोर से हँसना
(घ) नाश्ते में मक्खन का न होना
उत्तर: (क) रामस्वरूप द्वारा दाढ़ी वाला मज़ाक करना

4 कथन–कारण

कथन (A): गोपालप्रसाद के अनुसार, महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा (ऊँची तालीम) प्राप्त करना सही नहीं है।

कारण ®: उनका मानना है कि पढ़ाई करना और काबिल होना सिर्फ मर्दों का काम है, और औरतों के पढ़ने से गृहस्थी खराब हो जाती है।

विकल्प :

(क) कथन (A) और कारण ® दोनों सही हैं तथा कारण ®, कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण ® दोनों सही हैं परंतु कारण ®, कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण ® गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण ® सही है।

उत्तर: (क) कथन (A) और कारण ® दोनों सही हैं तथा कारण ®, कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 5. गोपालप्रसाद ने 'अक्ल के ठेकेदार' किन्हें कहा है?
उत्तर: गोपालप्रसाद ने उन लोगों को 'अक्ल के ठेकेदार' कहा है जो बेटों की तरह बहुओं को भी ग्रेजुएट (शिक्षित) लाने की वकालत करते हैं।

प्रश्न 6. गद्यांश के अनुसार, गोपालप्रसाद के मते यदि औरतें अंग्रेज़ी अखबार पढ़ने और 'पॉलिटिक्स' पर बहस करने लगेंगी तो क्या परिणाम होगा?
उत्तर: गोपालप्रसाद के अनुसार, यदि औरतें ऐसा करेंगी तो घर की गृहस्थी चौपट हो जाएगी (चल नहीं पाएगी)।

<u>सृजनात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न 1. उमा ने घर आए मेहमानों के साथ अपमानपूर्ण व्यवहार किया। आप इसे कहाँ तक ठीक मानते हैं?

उत्तर- उमा ने घर आए मेहमानों के साथ अपमानपूर्ण व्यवहार किया। इसकी सराहना नहीं की जा सकती। परंतु यदि उसकी परिस्थिति देखी जाए तो उसका यह व्यवहार गलत भी नहीं लगता। उसके पास दो ही रास्ते थे- या तो वह गोपालप्रसाद और शंकर की करतूतों को सहती जाती और चुप रहती या उनका विरोध करती। गोपालप्रसाद और शंकर ने उमा के घर आकर उसके साथ खरीद-बेच जैसा व्यवहार किया। वह भी तब जबकि शंकर बिल्कुल आवारा और चरित्रहीन था। ऐसे आदमी का उमा की नाप-तौल करना सहनीय नहीं था। इसलिए उसने जैसे को तैसा का व्यवहार किया और उसे खरी-खोटी सुना दी। अपमान करने वाले के साथ नरमी बरतना उसको प्रोत्साहन देना है।

प्रश्न 2. रामस्वरूप अपनी बेटी की शादी में पढ़ाई-लिखाई की बात क्यों छुपाना चाहते हैं? हम इसे किस प्रकार बदल सकते हैं?

उत्तर- रामस्वरूप लड़की के पिता हैं। उनका दायित्व है कि वे उसका अच्छे घर में विवाह कर दें। यद्यपि वे लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई के पक्षधर हैं, फिर भी लड़के वालों के सामने उनकी एक नहीं चलती। जो भी घर मिलता है उसके सदस्य कम पढ़ी-लिखी बहू चाहते हैं। इस कारण उन्हें जानबूझकर बेटी की पढ़ाई-लिखाई को छिपाना पड़ता है।
हम समाज के इस गलत विचार को बदलने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए हर जगह बातचीत में पढ़ी-लिखी लड़कियों के गुण गिना सकते हैं। यदि हमारे घर में भी सुशिक्षित बहू की उपेक्षा की जा रही हो तो खुलकर अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति कन्या-शिक्षा के विरोध में तर्क दे रहा हो तो उससे प्रश्न पूछ सकते हैं और प्रेमपूर्वक अपनी बात समझा सकते हैं।

प्रश्न 3. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का उद्देश्य है-भारतीय समाज में नारी-सम्मान और नारी-शिक्षा को अग्र स्थान दिलाना। समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते हैं?

उत्तर - हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं-

* लोगों में सुशिक्षित नारी के लाभों का प्रचार कर सकते हैं।

* सुशिक्षित बहू को स्वीकार करके उन्हें सम्मान दे सकते हैं।

* सुशिक्षित कन्याओं को नौकरी दिलाकर उन्हें पुरुषों के समान महत्व दे सकते हैं।

* कम पढ़ी-लिखी बहू चाहने वालों को समझा-बुझाकर रास्ते पर ला सकते हैं।

पाठ 7 (मैं और मेरा देश- निबंध , लेखक – कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर)

प्रश्न 1 पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न

मैं अपने देश का नागरिक हूँ और मानता हूँ कि मैं अपने देश के लिए जैसे अपने लाभ और सम्मान के लिए हर छोटी-छोटी बात पर ध्यान देता हूँ, वैसे ही मैं अपने देश के लाभ और सम्मान के लिए भी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दूँ, यह मेरा कर्तव्य है। और जैसे मैं अपने सम्मान और साधनों से अपने जीवन में सहारा पाता हूँ, वैसे ही देश के सम्मान और साधनों से भी सहारा पाऊँ, यह मेरा अधिकार है। बात यह है कि मैं और मेरा देश दो अलग चीजें तो हैं ही नहीं।
मैंने जो कुछ जीवन में अध्ययन और अनुभव से सीखा है, वह यही है कि महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं है, उस कार्य के करने की भावना में है। बड़े से बड़ा कार्य हीन है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं है और छोटे से छोटा कार्य भी महान है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना है।

1. लेखक के अनुसार अपने देश के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?
(क) केवल अपने लाभ के बारे में सोचना
(ख) देश के लाभ और सम्मान के लिए छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देना
(ग) केवल अधिकारों की माँग करना
(घ) दूसरों पर निर्भर रहना
उत्तर 1 : (ख) देश के लाभ और सम्मान के लिए छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देना।

2. लेखक के अनुसार किसी कार्य का महत्व किसमें है?
(क) उसकी विशालता में
(ख) उसके पुरस्कार में
(ग) उसे करने की भावना में
(घ) उसकी प्रसिद्धि में
उत्तर 2 : (ग) उसे करने की भावना में।

3. छोटे से छोटा कार्य कब महान बन जाता है?
(क) जब वह बहुत बड़ा हो (ख) जब उसके पीछे अच्छी भावना हो
(ग) जब उसे सब लोग देखें (घ) जब उससे धन मिले
उत्तर 3 : (ख) जब उसके पीछे अच्छी भावना हो।

4. लेखक ने अपने देश के प्रति नागरिक का कौन-सा कर्तव्य बताया है?
उत्तर 4 : लेखक के अनुसार प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने देश के लाभ, सम्मान और संसाधनों की रक्षा के लिए छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखे।

5. लेखक के अनुसार महान कार्य किसे कहा गया है?

उत्तर 5 : लेखक के अनुसार किसी कार्य की महानता उसके आकार में नहीं, बल्कि उसे करने की अच्छी भावना और निःस्वार्थ उद्देश्य में होती है। अच्छी भावना से किया गया छोटा कार्य भी महान होता है।

चिंतन और विश्लेषण पर आधारित तीन प्रश्न

प्रश्न 1: 'मैं और मेरा देश' निबंध के अनुसार, एक साधारण नागरिक अपने रोजमर्रा के आचरण से देश के 'शक्तिबोध' और 'सौंदर्यबोध' को किस प्रकार प्रभावित करता है?

उत्तर:- लेखक के अनुसार, देश का सम्मान और नागरिक का सम्मान एक-दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हैं। जब कोई नागरिक सार्वजनिक स्थानों पर अपने देश की कमियों की दूसरों से नकारात्मक तुलना करता है, तो वह देश के सामूहिक मानसिक बल यानी 'शक्तिबोध' को गहरी चोट पहुँचाता है। वहीं दूसरी ओर, जब कोई रास्ते में कूड़ा या छिलके फेंकता है, थूकता है या नियमों का उल्लंघन करता है, तो वह देश के 'सौंदर्यबोध' और संस्कृति को आघात पहुँचाता है। इस प्रकार, एक साधारण नागरिक का हर छोटा कार्य भी देश की प्रतिष्ठा को बना या बिगाड़ सकता है।

प्रश्न 2:- जापानी युवक द्वारा स्वामी रामतीर्थ से फलों के बदले माँगा गया मूल्य, उसकी किस उच्च नागरिक सोच और देशभक्ति को दर्शाता है?

उत्तर:- जब स्वामी रामतीर्थ के मुँह से निकला कि शायद जापान में अच्छे फल नहीं मिलते, तब एक जापानी युवक ने भागकर उन्हें ताजे फल भेंट किए और मूल्य के रूप में सिर्फ यह माँगा कि वे अपने देश जाकर ऐसा न कहें। यह घटना दर्शाती है कि वह युवक केवल एक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि अपने देश के प्रतिनिधि के रूप में सोच रहा था। उसका यह चिंतन दिखाता है कि एक जागरूक नागरिक के लिए उसके देश का गौरव और आत्मसम्मान उसके किसी भी व्यक्तिगत लाभ या धन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है।

प्रश्न 3:- फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों के बलिदान की घटना 'मैं और मेरा देश' निबंध में वर्णित "जीवन एक युद्ध है" और नागरिक के सर्वोच्च कर्तव्य की कसौटी पर कैसे खरी उतरती है?

उत्तर:- निबंध में कहा गया है कि जीवन एक युद्ध है और देश की रक्षा व सम्मान के लिए हर नागरिक का अपना दायित्व होता है । फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों ने 1971 के युद्ध में विषम परिस्थितियों और जानलेवा खतरे के बावजूद केवल 26 वर्ष की आयु में अकेले ही दुश्मन के छह लड़ाकू विमानों का डटकर सामना किया। उनका यह असाधारण कदम और आत्मोसर्ग यह सिद्ध करता है कि एक सच्चा नागरिक अपने देश की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने से भी पीछे नहीं हटता, जो किसी भी नागरिक के कर्तव्य की सर्वोच्च पराकाष्ठा है।

पाठ 8 (पद - कविता, कवि – रैदास)

प्रश्न 1 पद्यांश पर आधारित प्रश्न

अब कैसे छूटे राम रट लागी।
प्रभु जी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी।
प्रभु जी तुम घन बन, हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी तुम दीपक, हम बाती, जाकी जोति बरे दिन राती।
प्रभु जी तुम मोती, हम धागा, जैसे सोने मिलत सुहागा।
प्रभु जी तुम स्वामी, हम दासा, ऐसी भगति करै रैदासा।

1. 'प्रभु जी तुम चंदन हम पानी' में चंदन किसका प्रतीक है?

(क) भक्त

(ख) प्रभु

(ग) संसार

(घ) प्रकृति

उत्तर: (ख) प्रभु

2. 'हम मोरा' से कवि किस भाव को व्यक्त करते हैं?

(क) अहंकार

(ख) समर्पण और प्रेम

(ग) क्रोध

(घ) भय

उत्तरप्रेम और समर्पण (ख) :

3. 'प्रभु जी तुम दीपक, हम बाती' का आशय क्या है?

(क) अलगाव

(ख) अंधकार

(ग) प्रभु-भक्त की अभिन्नता

(घ) धन

उत्तर: (ग) प्रभु-भक्त की अभिन्नता

4. कवि ने प्रभु और भक्त के संबंध को स्पष्ट करने के लिए किन-किन उपमानों का प्रयोग किया है?

उत्तर: कवि ने चंदन–पानी, घन–मोर, दीपक–बाती, मोती–धागा तथा स्वामी–दास के उपमानों द्वारा प्रभु और भक्त के अटूट संबंध तथा समर्पण को व्यक्त किया है।

5. 'ऐसी भगति करै रैदासा' पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: इस पंक्ति में रैदास प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें ऐसी सच्ची, निष्काम और अटूट भक्ति प्राप्त हो, जिसमें वे सदैव प्रभु के प्रति समर्पित रहें।

<u>रचनात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न 1. कवि रैदास की भक्ति भावनाओं को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

उतर:- कवि रैदास की भक्ति में दास्य भाव की झलक मिलती है ,उनके जीवन की आस प्रभु भक्ति व समर्पण ही उनका संबंल है। वे ईश्वर के चरणों - कमलों में ही अपनी मुक्ति देखते हैं।

प्रश्न 2. कवि ने राम नाम की रट के न छूटने का क्या कारण माना है?

उतर:- कवि रैदास जी कहते है कि हे प्रभु आपके नाम को रटने की आदत हो गई है, जो छूट नहीं सकती है।आपका और मेरा रिश्ता तो चंदन और पानी की तरह है। जैसे चंदन के साथ रहने से पानी में उसकी महक समाहित हो जाती है। वैसे मेरे तन मन में आपका प्रेम व मन में आपके नाम की धुन लग गई है।

प्रश्न 3. कवि रैदास ने पद में भक्ति मार्ग में किन कार्यों को नकारा हैं तथा क्यों ?

उतर:- कवि रैदास जी ने व्रत व तीर्थ यात्रा के कार्य को नकारा है। उनके अनुसार सच्ची भक्ति बाह्य दिखावे में नहीं बल्कि हृदय की निश्छल श्रद्धा और ईश्वर के चरणों में विश्वास में निहित है। वे मानते है कि यदि मन कर्म और वचन से भगवान का स्मरण किया जाए तो तीर्थयात्रा और व्रत की आवश्यकता नहीं है।

पाठ 9 (राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद-कविता, कवि – तुलसीदास)

प्रश्न 1 निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें

आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसु धरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार॥

1 लक्ष्मण के वचनों को सुनकर परशुराम की क्या प्रतिक्रिया हुई?

(क) वे बहुत प्रसन्न हुए (ख) वे शांत हो गए

(ग) वे अत्यधिक क्रोधित हो गए (घ) वे हँसने लगे

उत्तर: (ग) वे अत्यधिक क्रोधित हो गए

2 अभिकथन (A): परशुराम जी ने राजसभा में उपस्थित सभी राजाओं को वहाँ से हट जाने या मारे जाने की चेतावनी दी。

कारण (R): परशुराम जी को डर था कि सभी राजा मिलकर उन पर आक्रमण कर देंगे।

कारण (R): परशुराम जी को डर था कि सभी राजा मिलकर उन पर आक्रमण कर देंगे।

विकल्प:

(क) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(घ) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

उत्तर (ग) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

3 "सहसबाहु सम सो रिपु मोरा" में कौन सा अलंकार है?

(क) अतिशयोक्ति अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार (घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

उत्तर: (ख) उपमा अलंकार

प्रश्न 4: परशुराम जी लक्ष्मण को "नृपबालक" और "कालबस" क्यों कहते हैं?

उत्तर: परशुराम जी लक्ष्मण को "नृपबालक" इसलिए कहते हैं क्योंकि लक्ष्मण राजा के बेटे हैं और उम्र में छोटे हैं। वे "कालबस" इसलिए कहते हैं क्योंकि लक्ष्मण उनके शिव धनुष का अपमान कर रहे थे। परशुराम को लगता है कि मृत्यु के वश में होने के कारण ही लक्ष्मण इतनी बड़ी बात बोलने की हिम्मत कर रहा है।

प्रश्न5: परशुराम के अनुसार 'सेवक' कौन होता है और उन्होंने अपना परम शत्रु किसको और क्यों माना?

उत्तर: परशुराम के अनुसार सेवक वह है जो सेवा का कार्य करे। वे कहते हैं - "सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।" अर्थात जो शत्रुता का काम करे, उससे तो केवल लड़ाई ही करनी चाहिए। चूँकि शिवजी का धनुष तोड़ा गया था, इसलिए वे धनुष तोड़ने वाले को अपना परम शत्रु मान रहे थे।

प्रश्न6: लक्ष्मण ने परशुराम से इस विशेष धनुष (शिवधनुष) पर इतनी ममता होने का क्या कारण पूछा और परशुराम ने उसका क्या जवाब दिया?

उत्तर: लक्ष्मण ने व्यंग्य करते हुए कहा कि हमने बचपन में ऐसी कई छोटी धनुषियाँ तोड़ी हैं, तब तो आपने कभी ऐसा क्रोध नहीं किया; फिर इसी धनुष पर इतनी ममता क्यों है? इस पर क्रोधित होकर परशुराम (भृगुकुलकेतु) ने कहा कि काल के वश में होने के कारण तुम संभलकर नहीं बोल रहे हो, यह कोई साधारण धनुही नहीं, बल्कि सारे संसार में प्रसिद्ध भगवान शिव का धनुष है जिसे तुम धनुही बता रहे हो।

10 (भारति, जय विजयकरे!-कविता, कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

<u>प्रश्न 1 पद्यांश के वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं उच्च-स्तरीय प्रश्न</u>

भारति, जय, विजयकरे!
भारति, जय, विजयकरे!
कनक-शस्य-कमलधरे!

लंका पदतल शतदल,
गर्जितोर्मि सागर-जल
धोता शुचि चरण युगल
स्तव कर बहु-अर्थ-भरे!

तरु-तृण-वन-लता वसन,
अंचल में खचित सुमन;
गंगा ज्योतिर्-जल-कण
धवल धार हार गले।

मुकुट शुभ्र हिम-तुषार,
प्राण प्रणव ओंकार,
ध्वनित दिशाएँ उदार,
शतमुख-शतरव-मुखरे!

<u>बहु - विकल्पीय प्रश्न -</u>

1. कविता में भारत को एक चेतन सत्ता के रूप में प्रस्तुत करने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) भारत की सैन्य शक्ति का वर्णन करना।

(ख) भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महानता को व्यक्त करना।

(ग) भारत की आर्थिक प्रगति का चित्रण करना।

(घ) भारत की राजनीतिक व्यवस्था का वर्णन करना।

उत्तर: (ख)

2. कथन–कारण

कथन (A): कवि ने हिमालय को भारत का मुकुट और गंगा को उसके गले का हार कहा है।

कारण (R): कवि भारत की प्राकृतिक धरोहर को अलंकारिक एवं मानवीकृत रूप में प्रस्तुत करना चाहता है।

(क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) A सत्य है, R असत्य है।

(घ) A असत्य है, R सत्य है.

उत्तर: (क)

3. 'शतमुख-शतरव-मुखरे' पद का आशय क्या है?

(क) भारत में अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों की समृद्ध अभिव्यक्ति।

(ख) भारत की सैन्य शक्ति।

(ग) भारत की जनसंख्या।

(घ) भारत का औद्योगिक विकास।

उत्तर: (क)

4. कवि ने 'कनक-शस्य-कमलधरे' कहकर भारत की किन विशेषताओं को व्यक्त किया है?

उत्तर: कवि ने भारत की कृषि-समृद्धि, उर्वर भूमि, प्राकृतिक सौंदर्य तथा सांस्कृतिक समृद्धि का चित्रण किया है।

5. कविता में प्रकृति और राष्ट्रप्रेम का संबंध किस प्रकार स्थापित किया गया है?

उत्तर: कवि ने गंगा, हिमालय, वन, लता और पुष्पों को भारत का अंग बताकर प्रकृति-संरक्षण को सच्चे राष्ट्रप्रेम का प्रतीक माना है।

<u>लघु उत्तरात्मक प्रश्नोत्तर -</u>

प्रश्न 1. 'देशभक्ति का अर्थ केवल गर्व करना नहीं, कर्तव्य निभाना भी है।' स्पष्ट कीजिए.

उत्तर: सच्ची देशभक्ति केवल देश का गुणगान करना नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना है। स्वच्छता बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना तथा राष्ट्रहित में कार्य करना ही वास्तविक देशभक्ति है।

प्रश्न 2. आज प्रकृति और मानव का संबंध टूट रहा है। इसे फिर से कैसे जोड़ा जा सकता है?

उत्तर: प्रकृति से संबंध मजबूत करने के लिए हमें वृक्षारोपण करना, जल संरक्षण करना, प्रदूषण रोकना और नदियों को स्वच्छ रखना चाहिए। प्रकृति का सम्मान ही मानव और प्रकृति के संबंध को पुनः सुदृढ़ बना सकता है।

प्रश्न 3. प्रस्तुत कविता 'भारति, जय, विजयकरे!' देशभक्ति की भावना को कैसे जागृत करती है?

उत्तर: कविता भारतमाता के दिव्य एवं गौरवशाली स्वरूप का चित्रण करती है। हिमालय, गंगा और समुद्र जैसे प्राकृतिक प्रतीकों के माध्यम से कवि राष्ट्र के प्रति श्रद्धा, गर्व और सेवा-भाव जागृत करता है।

पाठ 11 (झाँसी की रानी-कविता, कवि – सुभद्राकुमारी चौहान)

प्रश्न 1   दिए गए काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नई जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फ़िरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,
चमक उठी सन् सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी॥

प्रश्न 1. काव्यांश में 'बूँदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी' कहकर कवयित्री ने किस ऐतिहासिक स्रोत की ओर संकेत किया है?
(क) ब्रिटिश शासकों द्वारा लिखित आधिकारिक दस्तावेज़
(ख) बुंदेलखंड की मौखिक लोकगाथाएँ और वीररसात्मक गीत
(ग) मुगल दरबार के फारसी इतिहास-ग्रंथ
(घ) अंग्रेज़ों के समाचार-पत्रों की रिपोर्ट
उत्तर: (ख) बुंदेलखंड की मौखिक लोकगाथाएँ और वीररसात्मक गीत

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथन (A) और कारण R को पढ़कर सही विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में 'सन् सत्तावन' का उल्लेख मात्र झाँसी की रानी की व्यक्तिगत वीरता तक सीमित है।
कारण R: कवयित्री ने 'दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी' कहकर जन-सामान्य की सहभागिता एवं सामूहिक विद्रोह-भावना को रेखांकित किया है।

(क) कथन (A) और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन (A) और कारण R दोनों सही हैं, परन्तु कारण R, कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ग) कथन (A) गलत है, परन्तु कारण R सही है।
(घ) कथन (A) सही है, परन्तु कारण Rगलत है।

उत्तर: (ग) कथन (A) गलत है, परन्तु कारण R सही है।

प्रश्न 3. "चमक उठी सन् सत्तावन में वह तलवार पुरानी" – इस पंक्ति में 'पुरानी तलवार' का सबसे उपयुक्त अर्थ क्या है?
(क) 1857 के सैनिकों के पास पुराने हथियार थे, जो टूट-फूट चुके थे।
(ख) ब्रिटिश सेना ने अपनी पुरानी तलवारों को नया रंग देकर चमकाया था।
(ग) भारत की प्राचीन वीरता, शौर्य और स्वाभिमान की परंपरा पुनः जाग्रत हो उठी।
(घ) झाँसी के किले में रखी हुई एक पुरातात्विक तलवार प्रदर्शित की गई।

उत्तर: (ग) भारत की प्राचीन वीरता, शौर्य और स्वाभिमान की परंपरा पुनः जाग्रत हो उठी।

प्रश्न 4.काव्यांश में आए 'मर्दानी' शब्द का क्या अर्थ है? इस शब्द के प्रयोग से कवयित्री किस विशेषता को उजागर करना चाहती हैं?
उत्तर: 'मर्दानी' शब्द का अर्थ है – 'वीरांगना' या 'योद्धा स्त्री'। इस शब्द के प्रयोग से कवयित्री रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध-कौशल, पौरुष तथा पुरुषों की बराबरी करने वाले साहस को उजागर करना चाहती हैं कि वह केवल एक रानी नहीं, बल्कि एक वीर योद्धा थीं।

प्रश्न 5. "सिंहासन हिल उठे" तथा "दूर फिरंगी को करने की ठानी" – इन दोनों पंक्तियों के आधार पर 1857 के विद्रोह की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।
उत्तर:1. इस विद्रोह ने ब्रिटिश शासन की सत्ता (सिंहासन) को चुनौती दी और उसकी नींव हिला दी।
2. यह विद्रोह रानी के नेतृत्व तक सीमित न रहकर जन-साधारण का सामूहिक संकल्प था, जिसका उद्देश्य अंग्रेज़ों (फिरंगियों) को भारत से पूर्णतः बाहर निकालना था।

<u>चिंतन एवं सृजनशीलता आधारित प्रश्न-उत्तर</u>

प्रश्न 1:- "महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी" पंक्ति के माध्यम से कवयित्री समाज के किन वर्गों की ओर संकेत कर रही हैं और स्वतंत्रता संग्राम में इस एकता का क्या महत्व था?
उत्तर:- महत्व:- स्वतंत्रता की चिंगारी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं थी। जब महलों के मान-सम्मान को ठेस पहुँची और आम जनता का शोषण हुआ, तो दोनों वर्ग अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो गए। 1857 की क्रांति की सफलता और व्यापकता का मुख्य कारण यही था कि इसमें अमीर-गरीब और राजा-प्रजा के भेद को भुलाकर देशप्रेम की भावना सर्वोपरि हो गई थी।

प्रश्न 2:-कविता में लक्ष्मीबाई के बचपन और उनकी सहेलियों का जो वर्णन है। वह सामान्य बालिकाओं से किस प्रकार भिन्न था? क्या वर्तमान समय में भी महिलाओं के प्रति समाज की यह सोच बदली है?
उत्तर:- बचपन में भिन्नता: सामान्य बालिकाएं जहाँ गुड़िया और पारंपरिक खिलौनों से खेलती थीं, वहीं लक्ष्मीबाई के प्रिय मित्र बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी जैसे हथियार थे। उनका बचपन नकली युद्ध रचने, व्यूह की रचना करने, शिकार खेलने और दुर्ग तोड़ने जैसे साहसिक कार्यों में बीता।
वर्तमान संदर्भ- उस काल में युद्ध और शौर्य केवल पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। वर्तमान में समाज की सोच में बड़ा बदलाव आया है. आज महिलाएं सेना, दमकल केंद्र, विज्ञान, तकनीक, खेल और व्यापार जैसे हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं जिसे कभी केवल पुरुषों के योग्य समझा जाता था।

प्रश्न 3:- झलकारी बाई ने किस प्रकार अपनी शारीरिक समरूपता और सूझबूझ का उपयोग करके रानी लक्ष्मीबाई की रक्षा की ? उनके इस बलिदान का इतिहास में क्या महत्व है?

उत्तर:- रणनीति: झलकारी बाई का चेहरा और कद-काठी रानी लक्ष्मीबाई से बहुत मिलती-जुलती थी। जब अंग्रेजी सेना ने झाँसी के किले को घेर लिया, तो उन्होंने स्वयं रानी का वेश धारण कर सेना की कमान संभाल ली। इस हमशक्ल रूप ने अंग्रेजों को लंबे समय तक भ्रम में रखा, जिससे रानी लक्ष्मीबाई अपने बेटे के साथ सुरक्षित किले से बाहर निकलने में सफल रहीं।

महत्व- झलकारी बाई का यह कदम अद्वितीय वीरता और स्वामी-भक्ति का प्रतीक है। भले ही वह इतिहास के पन्नों में लंबे समय तक लुप्त रहीं, लेकिन बुंदेलखंड की लोक-स्मृति और गाथाओं में उनका यह बलिदान आज भी अमर है, जो दिखाता है कि क्रांति में आम नागरिकों का योगदान कितना गहरा था।

प्रश्न 4.कवयित्री कहती हैं – "गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी।" क्या आपको लगता है कि आज़ादी की 'कीमत' केवल युद्ध के मैदान में शहीद होने से चुकाई जाती है, या इसमें रोज़मर्रा की गुलामी का अपमान भी शामिल है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर: मुझे लगता है कि आज़ादी की 'कीमत' में युद्ध में शहीद होने का बलिदान तो शामिल है ही, लेकिन उससे कहीं अधिक व्यापक है। इसमें रोज़मर्रा की गुलामी का अपमान, मानसिक दासता और स्वतंत्रता के अभाव में जीने की पीड़ा भी शामिल है। जब किसी व्यक्ति को अपनी ही ज़मीन पर अंग्रेज़ों के आगे झुकना पड़े, अपनी संस्कृति का मज़ाक उड़ते हुए देखना पड़े, और असमानता की जंजीरों में जकड़ा रहे, तो यह दैनिक अपमान ही सबसे बड़ी 'कीमत' है। 1857 के सेनानियों ने इसी मानसिक पीड़ा को समझा था, इसलिए उन्होंने शारीरिक बलिदान देकर इस कीमत को चुकाने का संकल्प लिया।

प्रश्न 5.यदि 1857 में 'तलवार' की चमक देशभक्ति का प्रतीक थी, तो आज के युग में किसी भी प्रकार के अन्याय या उपनिवेशवादी मानसिकता के विरुद्ध लड़ने के लिए हमारे पास कौन-से 'आधुनिक अस्त्र' हैं? क्या उनमें वही चमक है, कारण बताइए।

उत्तर: आज के युग में अन्याय के विरुद्ध हमारे पास 'शिक्षा', 'संविधान', 'विधिक ज्ञान (कानून)', 'प्रौद्योगिकी' और 'सोशल मीडिया की सामूहिक आवाज़' जैसे आधुनिक अस्त्र हैं। हाँ, इनमें वही चमक है क्योंकि:

· शिक्षा मन की गुलामी की जंजीरें तोड़ती है ।

· सामूहिक डिजिटल आवाज़ भ्रष्टाचार और भेदभाव को उजागर कर शासन-व्यवस्था को हिला सकती है, जैसे तलवार ने सिंहासन को हिलाया था।

· संविधान हमें वह कानूनी शक्ति देता है, जो 1857 में हमारे पास नहीं थी। इसलिए, ये अस्त्र आज अधिक प्रभावी और सशक्त हैं, बशर्ते हममें उनका उपयोग करने का साहस (वही पुरानी चमक) हो।

पाठ 12 (घर की याद-कविता, कविले – भवानी प्रसाद मिश्र)

प्रश्न 1 पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें :

आज पानी गिर रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
रात-भर गिरता रहा है,
प्राण-मन घिरता रहा है।
अब सबेरा हो गया है,
कब सबेरा हो गया है,
ठीक से मैंने न जाना,
बहुत सोकर सिर्फ़ माना।
क्योंकि बादल की अँधेरी,
है अभी तक भी घनेरी।
अभी तक चुपचाप है सब,
रातवाली छाप है सब।
गिर रहा पानी झर-झर,
हिल रहे पत्ते हरा-हर।
बह रही है हवा सर-सर,
काँपते हैं प्राण थर-थर।
बहुत पानी गिर रहा है,
घर नज़र में तिर रहा है।
घर कि मुझसे दूर है जो,
घर खुशी का पूर है जो।
घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहन आई।
बहन आई बाप के घर,
हाय रे! परिताप के घर

प्रश्न 1. कविता के प्रारम्भ में लगातार वर्षा का चित्रण किस उद्देश्य से किया गया है?
(क) प्रकृति की सुंदरता का वर्णन करने के लिए।
(ख) किसान की कठिनाइयों को दिखाने के लिए।
(ग) कवि के मन में उठ रही घर की याद और विरह को व्यक्त करने के लिए।
(घ) बाढ़ की स्थिति का वर्णन करने के लिए।
उत्तर - (ग) कवि के मन में उठ रही घर की याद और विरह को व्यक्त करने के लिए।

प्रश्न 2. ?आशय है घर खुशी का पूर है' पंक्ति का क्या'

(क) घर बहुत बड़ा है। (ख) घर धन-संपत्ति से भरा है।

(ग) घर प्रेम, अपनत्व और सुख का केंद्र है। (घ) घर नदी के किनारे स्थित है।

उत्तर - (ग) घर प्रेम, अपनत्व और सुख का केंद्र है।

प्रश्न 3. सी मनःस्थिति व्यक्त होती-कौन मन घिरता रहा है' से कवि की-प्राण'है?

(क) उत्साह और उमंग (ख) घर की याद से उत्पन्न व्याकुलता और उदासी

(ग) क्रोध और निराशा (घ) आश्चर्य और जिज्ञासा

उत्तर - (ख) घर की याद से उत्पन्न व्याकुलता और उदासी।

प्रश्न 4- निम्नलिखित प्रश्नों के कथन-कारण के संबंध में सही विकल्प का चयन कीजिए।

कथन (A): निरंतर वर्षा होने के कारण कवि को अपने घर की याद आने लगती है।

कारण (R): वर्षा का वातावरण कवि की स्मृतियों को जागृत कर देता है और उसे अपने परिवार की याद दिलाता है।

विकल्प :

(क) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

(ग) A सत्य है, परंतु R असत्य है।

(घ) A असत्य है, परंतु R सत्य है।

उत्तर - (क) कथन A और कारण R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 5- लगातार हो रही वर्षा का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर - वर्षा का वातावरण कवि को अपने घर, माता,पिता- भाईबहनों- तथा परिवार के साथ बिताए सुखद क्षणों की याद दिलाता है। इससे उसका मन भावुक हो जाता है और घर लौटने की तीव्र इच्छा जाग उठती है।

प्रश्न 6- इस पद्यांश के आधार पर कवि के परिवार के वातावरण का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - कवि का परिवार प्रेम, स्नेह और आत्मीयता से भरा हुआ है। परिवार में चार भाई, बहन और मातापिता- हैं। सभी सदस्यों के बीच गहरा अपनापन है, इसलिए घर से दूर रहकर कवि अत्यंत व्याकुल हो जाता है।

<u>रचनात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न1: यदि कवि अचानक अपने घर पहुँच जाए, तो सबसे पहले वह क्या करना चाहेगा और क्यों?

उत्तर: कवि सबसे पहले अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों से मिलकर उनका स्नेह प्राप्त करना चाहेगा। वह अपने बचपन की यादों को फिर से जीना चाहेगा, क्योंकि घर उसे प्रेम, अपनापन, सुरक्षा और आत्मीयता का अनुभव कराता है।

प्रश्न 2: यदि आपको कुछ समय के लिए घर से दूर रहना पड़े, तो आपको घर की कौन-सी बात सबसे अधिक याद आएगी?
उत्तर: यदि मुझे कुछ समय के लिए घर से दूर रहना पड़े, तो मुझे अपने परिवार का साथ, माँ के हाथ का स्वादिष्ट भोजन, घर का स्नेहमय वातावरण और सभी का प्यार सबसे अधिक याद आएगा।

प्रश्न 3: कविता से आपको क्या संदेश मिलता है?
उत्तर: यह कविता हमें संदेश देती है कि घर केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि प्रेम, अपनापन, संस्कार और भावनाओं का केंद्र होता है। इसलिए हमें अपने परिवार का सम्मान करना चाहिए और घर के महत्व को सदैव समझना चाहिए।

समाप्त